मोहम्मद के शहर में | By Haji Aslam Sabri |

ये नूरे मोहम्मद की जलवा नुमाई
ये नूरे मोहम्मद की जलवा नुमाई
खुदा भी है शैदा खुदा की खुदाई
जुदा करके खुद नूर से नूर अपना
जुदा करके खुद नूर से नूर अपना
खुदा ने मोहम्मद की सूरत बनाई

या नबी आपके जलवों में वो रानाई है
या नबी आपके जलवों में वो रानाई है
देखने पर भी मेरी आँख तमन्नाई है
हक़ तआला भी करीम और मोहम्मद भी करीम
दो करीमों में गुनहगार की बन आई है

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

जब मेरा जज़्बे जुनूँ औज कज़ीना होगा
फैलने और सिमटने का तरीक़ा होगा
या मदीने में समा जाएगी सारी दुनिया
या ज़माने में मदीना ही मदीना होगा

संगेमरमर की न तारीफ़ किया करूँ जिसे
आँसुओं से जो मैं अहेग़ामे मोहम्मद लिख दूँ
चूमने के लिए झुक जाएगा ये ताजमहल
टूटे पत्थर पे अगर नामे मोहम्मद लिख दूँ

या इलाही मेरी हस्ती को समंदर कर दे
मुझको आक़ा की मोहब्बत में कलंदर कर दे
जब भी जी चाहे करूँ रौज़ा-ए-हक़ तवाफ़
मुझको तैबा की मीनारों का कबूतर कर दे

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

क्यों आके रो रहा है मोहम्मद के शहर में
क्यों आके रो रहा है मोहम्मद के शहर में
क्यों आके रो रहा है मोहम्मद के शहर में
हर दर्द की दवा है मोहम्मद के शहर में

दुख दर्दो आलम ग़म कटते हैं
दुख दर्दो आलम ग़म कटते हैं
दुख दर्दो आलम ग़म कटते हैं
दुख दर्दो आलम ग़म कटते हैं
दुख दर्दो आलम ग़म कटते हैं

हसनैन के सदके बँटते हैं

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

कुछ ऐसी भीड़ लग जाती है
शहीदों के रौज़े पर
कुछ ऐसी भीड़ लग जाती है
शहीदों के रौज़े पर
हवा को रास्ता मुश्किल से मिलता है

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

हवाएँ भी अदब के साथ चलती हैं

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

मेरे बारे में कुछ इरशाद किया जाएगा
दिल-ए-नाशाद को फिर शाद किया जाएगा
मैं ये उम्मीद लगाए हुए बैठा हूँ हज़ूर
एक बार और मुझे याद किया जाएगा

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

हाथ में तस्बीह, बग़ल में मुसल्ला
लब पे जारी अल्लाह अल्लाह
कहती हुई पहुँची बैतुल्लाह
और पुकारा — ए मेरे अल्लाह

तू ग़दा को जो नवाज़े तो शहंशाह बने
और यतीमों को जो चाहे तो पैग़ंबर कर दे
ए मेरे अल्लाह ! तो आवाज़ आई — पगली !
मेरे पर्दे में वहदत के सिवा क्या है
जा जो तुझे लेना है ले !

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

आओ गुनहगारों चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
वहाँ सर झुकाते हैं औलिया
वहाँ पाँव रखना रवाँ नहीं
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें

नाज़ाँ है जिसपे हुस्न वो हुस्ने रसूल है
ये कहकशाँ तो आपके क़दमों की धूल है
तैबा के रास्ते का तो काँटा भी फूल है
ए रहरवाँ-ए-शौक़
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें

बेग़ाना-ए-इफ़ाँ को हक़ीक़त की ख़बर क्या
जो आपसे वाक़िफ़ न हो वो अक़्ल-ए-नज़र क्या
मंज़ूर-ए-नज़र कौन हुआ इसकी ख़बर क्या
वो फ़ज़्ल पे आ जाए तो फिर ऐब-ओ-हुनर क्या
कामिल को दर-ए-यार के सज्दों से न रोको
क़ुर्बान जहाँ दिल हो वहाँ क़ीमत सर क्या

चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें
चलो सर के बल चलें

आओ गुनहगारों चलो सर के बल चलें
आओ गुनहगारों चलो सर के बल चलें

तौबा का दर खुला है
मोहम्मद के शहर में
तौबा का दर खुला है
मोहम्मद के शहर में
तौबा का दर खुला है
मोहम्मद के शहर में

क़दमों ने उनकी ख़ाक को कुंदन बना दिया
क़दमों ने उनकी ख़ाक को कुंदन बना दिया

तेरी निगाह से ज़र्रे भी मेहर-ओ-माह बने
ग़दा-ए-बे-सर-ओ-सामाँ जहाँपनाह बने
हज़ूर ही के करम ने मुझे तसल्ली दी
हज़ूर ही मेरे ग़म में मेरी पनाह बने
ज़माना बज्दुकुना अब भी उनके तौक़ में है
जो कोह-दश्त कभी तेरी जलवागाह बने

वो ही मक़ाम मोहब्बत की जलवागाह बने
जहाँ जहाँ से वो गुज़रे जहाँ जहाँ पहुँचे

क़दमों ने उनकी ख़ाक को कुंदन बना दिया
क़दमों ने उनकी ख़ाक को कुंदन बना दिया
मिट्टी भी कीमती है, मोहम्मद के शहर में
मिट्टी भी कीमती है, मोहम्मद के शहर में
मिट्टी भी कीमती है, मोहम्मद के शहर में
मिट्टी भी कीमती है, मोहम्मद के शहर में

सदक़ा लुटा रहा है, खुदा उनके नाम का
सदक़ा लुटा रहा है, खुदा उनके नाम का
सोना निकल रहा है, मोहम्मद के शहर में
सोना निकल रहा है, मोहम्मद के शहर में

सब तो झुके हैं खाना-ए-काबा के सामने
सब तो झुके हैं खाना-ए-काबा के सामने
हाजियो आओ शहंशाह का रोज़ा देखो
काबा तो देख चुके, काबे का काबा देखो

सुना है आप हर आशिक के घर तशरीफ़ लाते हैं
मेरे घर में भी कर दीजिए उजाला या रसूलअल्लाह

मदीना वो है कि काबा भी सजदा करता है
लिपट कर उनके गले से ये ख़ार कहता है

काबा खुद तैबा की जानिब झुकता लगता है
काबे का काबा सरकार का रोज़ा लगता है
फूल गुलाब का आपके चेहरे जैसा लगता है
और चमकता चाँद नबी का तलवा लगता है

सब तो झुके हैं खाना-ए-काबा के सामने
काबा झुका हुआ है, मोहम्मद के शहर में
काबा झुका हुआ है, मोहम्मद के शहर में
काबा झुका हुआ है, मोहम्मद के शहर में
काबा झुका हुआ है, मोहम्मद के शहर में

साया नहीं है गुम्बद-ए-ख़िज़रा का आज भी
साया नहीं है गुम्बद-ए-ख़िज़रा का आज भी
साया नहीं है गुम्बद-ए-ख़िज़रा का आज भी
साया नहीं है गुम्बद-ए-ख़िज़रा का आज भी
खींचा कुछ इस निराली शान से नक्शा मोहम्मद का
कि नक्क़ाश-ए-अज़ल भी हो गया शैदा मोहम्मद का
कोई क्या देखता अक्स-ए-क़द-ए-वाला मोहम्मद का
सरापा नूर था वो क़ामत-ए-ज़ेबा मोहम्मद का
इसी बाइस नज़र आता न था साया मोहम्मद का

साया नहीं है गुम्बद-ए-ख़िज़रा का आज भी
ज़िंदा ये मौजिज़ा है मोहम्मद के शहर में
ज़िंदा ये मौजिज़ा है मोहम्मद के शहर में
ज़िंदा ये मौजिज़ा है मोहम्मद के शहर में

ढूंढा खुदा को ढूंढने वालों ने हर जगह
ढूंढा खुदा को ढूंढने वालों ने हर जगह
लेकिन खुदा मिला है
लेकिन खुदा मिला है
मोहम्मद के शहर में
लेकिन खुदा मिला है मोहम्मद के शहर में
लेकिन खुदा मिला है मोहम्मद के शहर में
लेकिन खुदा मिला है मोहम्मद के शहर में
लेकिन खुदा मिला है मोहम्मद के शहर में

ए राज़ तू तो हिंद में मौजूद है मगर
ए राज़ तू तो हिंद में मौजूद है मगर
दिल नात पढ़ रहा है मोहम्मद के शहर में

पूछो उसी से क्या है मोहम्मद के शहर में
पूछो उसी से क्या है मोहम्मद के शहर में
एक बार जो गया है
एक बार जो गया है
मोहम्मद के शहर में
एक बार जो गया है मोहम्मद के शहर में
एक बार जो गया है मोहम्मद के शहर में

पूछो उसी से क्या है मोहम्मद के शहर में
एक बार जो गया है मोहम्मद के शहर में
सैराफ़ कर रही है जो सारे जहां को
रहमत की वो घटा है मोहम्मद के शहर में
उनका ख़याल आते ही ऐसे लगा मुझे
जैसे समद रज़ा है मोहम्मद के शहर में
दुनिया की ख़ाक जानके जो कुछ न पा सका
सब कुछ उसे मिला है
सब कुछ उसे मिला है
मोहम्मद के शहर में
सब कुछ उसे मिला है
मोहम्मद के शहर में
सब कुछ उसे मिला है
मोहम्मद के शहर में
सब कुछ उसे मिला है
मोहम्मद के शहर में
सब कुछ उसे मिला है
मोहम्मद के शहर में

मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में
मोहम्मद के शहर में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a6-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-haji-aslam-sabri/